an>

Title: Need to create a new 'Vindhya-Bundelkhand' State-laid.

श्री आर. के. सिंह पटेल (बांदा): मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि उ.प्र. तथा म.प्र. के विंध्यांचल पर्वत में बसे जिलो को जोड़कर अलग राज्य बनाने की मांग कई वर्षो से चली आ रही है, किन्तु पिछली सरकारो ने इस क्षेत्र को उपेक्षित रखा था, यह क्षेत्र पर्याप्त आर्थिक संसाधनो से परिपूर्ण है, किन्तु फिर भी अत्यंत पिछड़ा है|

प्रस्तावित बुंदेलखंड राज्य मे उ.प्र. के जनपद प्रयागराज का यमुनापार का क्षेत्र तथा मिर्जापुर, सोनभद्र चित्रकूट, बाँदा, महोबा, हमीरपुर, झाँसी, जालौन, ललितपुर, एवं म.प्र. के जनपद रीवा-सतना, छतरपुर, सागर, पन्ना, टीकमगढ़, दमोह, विदिशा, दतिया, भिंड, आदि जिले आते है, इन सब जनपदो को मिलाकर बुंदेलखंड राज्य बनाया जा सकता है, जिसकी राजधानी भगवान श्रीरामचन्द्र जी की तपोस्थली चित्रकूट बनाई जा सकती है, जहां 12 वर्ष तक भगवान श्री रामचंद्र जी ने तपस्या की थी, उसी तपोभूमि को राजधानी मानकर नया राज्य गठन किया जा सकता है, जिसकी सीमाए "इत यमुना उत नर्वदा इत चंबल उत टौस छत्रसाल से लड़न को नहीं काहू मे धौस" राजा छत्रसाल का जो राज्य था उसी सीमा मे विंध्य बुंदेलखंड राज्य बनाया जाना चाहिए|

अतः मैं सरकार से विंध्य-बुंदेलखंड राज्य गठन हेतु आवश्यक कार्यवाही कराने की मांग करता हूँ|